

1

A Tale of Two Birds

Supplementary

(English to Hindi Translation)

A mother bird and her two young ones lived in a forest.
The mother was killed in a storm and the young birds were separated from each other
Each found a different home.

एक मां पक्षी और उसके दो छोटे बच्चे एक जंगल में रहते थे।
मां एक तूफान में मारी गई और युवा पक्षी एक दूसरे से अलग हो गए।
प्रत्येक ने एक अलग घर ढूंढ लिया।

THERE once lived a bird and her two new-born babies in a forest. They had a nest in a tall, shady tree and there the mother bird took care of her little ones day and night.

एक बार एक जंगल में एक पक्षी और उसके दो नवजात शिशु रहते थे। उनका एक लंबे, छायादार पेड़ में एक घोंसला था और वहां मां पक्षी दिन-रात अपने छोटे बच्चों का ख्याल रखती थी।

One day, there was a big storm. There was thunder, lightning and rain, and the wind blew down many trees. The tall tree in which the birds lived also came down. A big, heavy branch hit the nest and killed the bird. Fortunately for the baby birds, the strong wind blew them away to the other side of the forest. One of them came down near a cave where a gang of robbers lived. The other landed outside a rishi's ashram a little distance away.

एक दिन बड़ा तूफान आया। गड़गड़ाहट हुई, बिजली कड़की और बारिश हुई, और तेज हवा ने कई पेड़ों को उखाड़ दिया। वह ऊंचा पेड़ जिसमें पक्षी रहते थे, वह भी गिर गया। एक बड़ी, भारी शाखा घोंसले पर गिरी और पक्षी को मार डाला। पक्षी के बच्चों का सौभाग्य था कि तेज हवा उन्हें जंगल की दूसरी तरु दूर उड़ा कर ले गई। उनमें से एक, एक गुफा के आगे गिरा, जहां लुटेरों का एक गिरोह रहता था। दूसरा, एक ऋषि के आश्रम के बाहर थोड़ी दूरी पर गिरा।

Days passed and the baby birds became big birds. One day, the king of the country came to the forest to hunt. He saw a deer and rode after it. It ran deep into the forest followed by the king. Soon the king lost his way and didn't know where he was.

दिन बीतते गए और बच्चे पक्षी, बड़े पक्षी बन गए। एक दिन, देश का राजा शिकार करने के लिए जंगल में आया। उसने एक हिरण को देखा और उसके पीछे घोड़ा दौड़ा दिया। वह जंगल में बहुत अंदर भाग गया, जिसके पीछे राजा भी चला गया। जल्द ही राजा अपना रास्ता भूल गया और उसे नहीं पता था कि वह कहां है।

1

A Tale of Two Birds

Supplementary

(English to Hindi Translation)

He rode on for a long time till he came to the other side of the forest. Very tired by now, he got off his horse and sat down under a tree that stood near a cave. Suddenly he heard a voice cry out, "Quick! Hurry up! There's someone under the tree. Come and take his jewels and his horse. Hurry, or else he'll slip away." The king was amazed. He looked up and saw a big, brown bird on the tree under which he was sitting. He also heard faint noises issuing from the cave. He quickly got on to his horse and rode away as fast as he could.

वह लंबे समय तक घोड़ा दौड़ाता रहा जब तक कि वह जंगल के दूसरी तरफ नहीं आ गया। अब वह बहुत थक गया था, वह अपने घोड़े से उतरा और एक पेड़ के नीचे बैठ गया जो एक गुफा के पास खड़ा था। अचानक उसने एक तेज आवाज सुनी, 'जल्दी! जल्दी करो! वहां पेड़ के नीचे कोई है। आओ और उसके गहने और उसका घोड़ा ले लेते हैं। जल्दी करो, वरना वह भाग जाएगा।' राजा हैरान रह गया। उसने ऊपर देखा और जिस पेड़ के नीचे वह बैठा था, उस पर एक बड़ा, भूरा पक्षी देखा। उसने गुफा से बाहर आ रहा हल्का शोर भी सुना। वह जल्दी से अपने घोड़े पर सवार हो गया और अपनी पूरी तेजी से दूर चला गया।

The king was amazed to hear a similar voice again.
He came to know the birds' true story.
He met the rishi who explained the behaviour of each bird.

राजा फिर से ऐसी ही आवाज सुनकर हैरान रह गया।
उसे पक्षियों की असली कहानी का पता चला।
वह ऋषि से मिला जिन्होंने प्रत्येक पक्षी के व्यवहार के बारे में बताया।

Soon, he came to a clearing which looked like an ashram. It was the rishi's ashram. The king tied his horse to a tree and sat down in its shade. Suddenly he heard a gentle voice announce, "Welcome to the ashram, Sir. Please go inside and rest. The rishi will be back soon. There's some cold water in the pot. Please make yourself comfortable." The king looked up and saw a big, brown bird in the tree. He was amazed. 'This one looks like the other bird outside the cave,' he said to himself loudly.

जल्द ही वह एक ऐसी जगह पर आ गया जो एक आश्रम की तरह लग रहा था। यह ऋषि का आश्रम था। राजा ने अपने घोड़े को एक पेड़ से बांध दिया और उसकी छाया में बैठ गया। अचानक उसने एक मधुर आवाज सुनी जो कह रही थी, 'आश्रम में आपका स्वागत है, महाशय। कृपया अंदर जाएं और विश्राम करें। ऋषि जल्द ही वापस आ जाएंगे। वहां बर्तन में कुछ ठंडा पानी है। कृपया अपने आप को आरामदायक बनाएं। राजा ने ऊपर देखा और पेड़ में एक बड़े, भूरे रंग के पक्षी को देखा। वह हैरान रह गया। उसने खुद से जोर से कहा, 'यह गुफा के बाहर वाले दूसरे पक्षी की तरह दिखता है।

1

A Tale of Two Birds

Supplementary

(English to Hindi Translation)

“You are right, Sir,” answered the bird. “He is my brother but he has made friends with robbers. He now talks as they do. He doesn't talk to me any more.” Just then the rishi entered the ashram.

पक्षी ने जवाब दिया, ‘आप ठीक कह रहे हैं, महाशय।’ वह मेरा भाई है लेकिन उसने लुटेरों से दोस्ती कर ली है। वह अब उनकी तरह ही बातें करता है। वह मुझसे भी अधिक बात नहीं करता है। तभी ऋषि ने आश्रम में प्रवेश किया।

“Welcome, Sir,” he said to the king. “Please come inside and make yourself at home. You look tired. Rest for a while. Then you can share my food.”

उन्होंने राजा से कहा, ‘आपका स्वागत है, महाराज।’ ‘कृपया अंदर आइए और इसे घर जैसा समझिए। आप थके हुए दिखते हैं। थोड़ी देर के लिए आराम करें। इसके बाद आप मेरे साथ भोजन कर सकते हैं।’

The king told the rishi the story of the two birds and how each had behaved so differently though they looked so alike. “The forest is full of surprises”, he said.

राजा ने ऋषि को दोनों पक्षियों की कहानी सुनाई और बताया कि प्रत्येक ने कैसा अलग तरह का व्यवहार किया हालांकि वे एक जैसे दिखाई देते थे। उन्होंने कहा, ‘जंगल आश्चर्यों से भरा है।’

The holy man smiled and said, “After all, one is known by the company one keeps. That bird has always heard the talk of robbers. He imitates them and talks about robbing people. This one has repeated what he has always heard. He welcomes people to the ashram. Now, come inside and rest. I'll tell you more about this place and these birds.”

वह पवित्र व्यक्ति मुस्कुराया और कहा, ‘आखिरकार, कोई व्यक्ति उसके द्वारा की गई संगत से जाना जाता है। उस पक्षी ने हमेशा लुटेरों की बात सुनी है। वह उनकी नकल करता है और लोगों को लूटने के बारे में बात करता है। इस पक्षी ने हमेशा वह दोहराया है जो उसने सुना है। वह आश्रम में लोगों का स्वागत करता है। अब अंदर आकर आराम करें। मैं आपको इस जगह और इन पक्षियों के बारे में अधिक बताऊंगा।’